बिहारशरीफ आयोजना क्षेत्र की बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर हुई चर्चा

शहर का विकास वर्तमान शहरी क्षेत्र के साथ ही बाहरी इलाकों में भी: कौशलेन्द्र कुमार

बिहारशरीफ। बिहारशरीफ आयोजना क्षेत्र के जीआईएस आधारित मास्टर प्लान (स्टेज-5) को लेकर नालंदा जिला आयोजना क्षेत्र प्राधिकार के तत्वावधान में प्रमंडलीय आयुक्त, पटना प्रमंडल सह अध्यक्ष की अध्यक्षता में हरदेव भवन, समाहरणालय परिसर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक में सांसद, विधायक, महापौर, उप-महापौर, विभिन्न विभागों के अधिकारी और जनप्रति. निधि उपस्थित रहे। बैठक के दौरान मास्टर प्लान तैयार करने वाली परामर्शी एजेंसी डीडीएफ कंसलटेंट्स द्वारा प्रस्तावित मास्टर प्लान का विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया गया, जिसमें वर्तमान स्थिति, भौगोलिक विस्तार, भूमि उपयोग, आधारभूत संरचना और भावी विकास की आवश्यकताओं पर जानकारी साझा की गई।

बिहारशरीफ आयोजना क्षेत्र का भौगोलिक विस्तार और आकार: बताते चले कि बिहारशरीफ आयोजना क्षेत्र का कुल भौगोलिक क्षेत्रफल लगभग 84.77 वर्ग किलोमीटर है, जिसमें बिहारशरीफ नगर निगम का लगभग 40.13 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र शामिल है। इस संपूर्ण आयोजना क्षेत्र में कुल 64 मौजे या ग्राम शामिल हैं, जिनमें 36 मौजे नगर निगम की सीमा के अंतर्गत और शेष 28 मौजे नगर निगम के बाहर ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित हैं। यह आयोजना क्षेत्र तीन प्रखंडों-बिहारशरीफ, नूरसराय एवं रहुई में विस्तारित है।



जनप्रतिनिधियों का सुझाव: बिहारशरीफ के मास्टर प्लान को लेकर सांसद कौशलेंद्र कुमार ने सुझाव दिया है कि शहर का विकास केवल वर्तमान शहरी क्षेत्र तक सीमित न रहे, बल्कि भविष्य में इसका विस्तार बाहरी इलाकों की ओर भी हो ताकि वहां आवासीय और बुनियादी सुविधाओं का विकास हो सके। उन्होंने मास्टर प्लान में रिंग रोड के प्रस्ताव को शामिल करने पर जोर देते हुए कहा कि इससे शहर के विस्तार को सही दिशा मिलेगी और यातायात व्यवस्था बेहतर होगी। साथ ही, उन्होंने शहर में जाम की समस्या के समाधान के लिए प्रभावी योजना बनाने और आवश्यकतानुसार सड़कों के चौड़ीकरण को विकास के खाके में शामिल करने की बात कही, ताकि आने वाले वर्षों में बिहारशरीफ एक सुव्यवस्थित और विकसित शहर के रूप में आगे बढ़ सके।

वहीं विधायक डॉ. सुनील कुमार ने सुझाव दिया है कि इसमें ठोस अपशिष्ट प्रबंधन और प्रदूषित जल की निकासी की व्यवस्था को प्राथमिकता दी जानी चाहिए, ताकि जल निकासी की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। उन्होंने शहर की तंग गलियों की समस्या के समाधान, सड़कों के चौड़ीकरण और नागरिक सुविधाओं के विस्तार पर भी ध्यान देने की बात कही। इसके अलावा, मनीराम अखाड़ा के आसपास उपलब्ध अतिक्रमित भूमि को अतिक्रमणमुक्त कर उसका सौंदर्यीकरण कराने, ट्रैफिक जाम कम करने के लिए व्यवस्थित वेंडिंग जोन विकसित करने तथा सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण के साथ उनके नियमित रखरखाव और बेहतर प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता बताई।

मास्टर प्लान का वैधानिक महत्व और आम नागरिकों की भागीदारी: बिहार शहरी आयोजना एवं विकास अधिनियम, 2012 के प्रावधानों के अंतर्गत मास्टर प्लान तैयार किया जा रहा है, जिसे सरकार से अनुमोदन और राजपत्र में प्रकाशन की प्रक्रिया पूरी होने के बाद वैधानिक रूप से प्रभावी बनाया जाएगा। इसका उद्देश्य केवल नगर निगम क्षेत्र का विकास करना नहीं है, बल्कि बिहारशरीफ और उससे जुड़े ग्रामीण क्षेत्रों को एक समन्वित आयोजना क्षेत्र के रूप में विकसित करना है। मास्टर प्लान का प्रारूप तैयार होने के उपरांत निर्धारित वैधानिक प्रक्रिया के अनुसार आम नागरिकों एवं हितधारकों से आपत्तियां और सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे, ताकि तैयार होने वाली विकास योजना क्षेत्र की वास्तविक जरूरतों और जनहित के अनुरूप हो।

डीएम ने डाला प्रकाश : डीएम उदिता सिंह ने बताया कि मास्टर प्लान तैयार कर रही परामर्शी एजेंसी ने आयोजना क्षेत्र की भौगोलिक स्थिति, भूमि उपयोग, आधारभूत संरचना, विकास की संभावनाओं और भविष्य की जरूरतों का प्रस्तुतीकरण दिया। इस पर जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने अपने सुझाव रखे। मास्टर प्लान में आवासीय, व्यावसायिक, औद्योगिक और संस्थागत क्षेत्रों के लिए भूमि उपयोग तय करने के साथ सड़क, परिवहन, पार्किंग, पेयजल, सीवरेज, जलनिक. ासी, बिजली और कचरा प्रबंधन की रूपरेखा तैयार होगी। बढ़ती आबादी के अनुसार भविष्य के विस्तार, खुले स्थानों और प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण की योजना भी बनेगी। प्रारूप तैयार होने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत आम नागरिकों, किसानों, भू-स्वामियों और कारोबारियों से आपत्तियां और सुझाव मांगे जाएंगे।

बैठक में डीसीसी सारा अशरफ, एडीएम राजीव रंजन कुमार सिन्हा, महापौर अनीता देवी, उपमहापौर आईशा शाहीन, नगर आयुक्त कृत्यानंद रंजन, एसडीओ किसलय श्रीवास्तव और राजगीर विधायक के प्रतिनिधि अरशद करीम सहित अन्य अधिकारी मौजूद थे।



सड़क हादसे में दो सगे भाई सहित तीन की मौत

रील बनाने के दौरान जानवर आया सामने और फिर हुआ हादसा

बिहारशरीफ। हरनौत थाना क्षेत्र के बाजार क्षेत्र में एनएच-20 पर एक तेज रफ्तार बाइक के डिवाइडर से टकरा जाने के कारण दो सगे भाइयों समेत तीन युवकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए।

मृतकों की पहचान गोनावां रोड निवासी प्रदीप कुमार जायसवाल के 15 वर्षीय पुत्र अभिमन्यु कुमार और 12 वर्षीय पुत्र अनीश कुमार के रूप में हुई है, जो क्रमशः नौवीं और छठी कक्षा के छात्र थे। इसके अलावा तीसरे मृतक की पहचान साबनहुआडीह निवासी 19 वर्षीय गौतम कुमार के रूप में हुई है, जो प्रदीप कुमार जायसवाल की किराना दुकान पर काम करता था। इस हादसे में घायल हुए अमित कुमार और एक अन्य किशोर का स्थानीय अस्पताल में इलाज जारी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, देर रात सभी पांच युवक एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर घूमने और मोबाइल से वीडियो/रील बनाने के लिए निकले थे। इसी दौरान अचानक रास्ते में एक जानवर सामने आ गया। जानवर को बचाने के प्रयास में बाइक अनियंत्रित होकर सड़क के बीच डिवाइडर से जा टकराई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई।

घटना की सूचना मिलते ही मृतकों के घर में कोहराम मच गया। एक ही परिवार के दोनों चिरागों के एक साथ बुझ जाने से माता-पिता और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

त्योहारी खुशियों के बीच घटी इस हृदयविदारक घटना से पूरे क्षेत्र में मातम पसरा हुआ है। हरनौत थानाध्यक्ष मुकेश कुमार वर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि एक ही बाइक पर पांच युवकों के सवार होने और वाहन की गति अत्यंत तेज होने के कारण यह हादसा हुआ। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद शवों को अपने कब्जे में लेकर आगे की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

अवैध हथियार के साथ पिता-पुत्र समेत तीन गिरफ्तार

दो देसी कट्टा और छः कारतूस बरामद

बिहारशरीफ। नालंदा जिले के नगरनौसा थाना क्षेत्र के अरियावां गांव में पुलिस ने विशेष छापेमारी अभियान चलाकर अवैध हथियारों के साथ पिता-पुत्र समेत तीन बदमाशों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से दो देसी कट्टा और छह जिंदा कारतूस बरामद किए गए हैं। इन पर गांव में दहशत फैलाने के लिए फायरिंग करने का भी आरोप है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अरियावां गांव निवासी सत्येंद्र कुमार, उनके पुत्र राहुल कुमार और मणिचक गांव निवासी जितेंद्र कुमार के रूप में की गई है। हिलसा डीएसपी-1 सुनील कुमार सिंह ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि मंगलवार रात गश्ती के दौरान पुलिस को सूचना मिली थी कि कुछ संदिग्ध लोग अवैध हथियारों के बल पर गांव में दहशत फैला रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने राहुल कुमार के घर छापेमारी कर एक देसी कट्टा और चार जिंदा कारतूस बरामद किए और राहुल को मौके से दबोच लिया। इसके बाद उसके पिता सत्येंद्र कुमार की सीमेंट दुकान पर तलाशी ली गई, जहां छिपाकर रखा गया एक और देसी कट्टा तथा दो जिंदा कारतूस मिले। पुलिस ने सत्येंद्र कुमार को भी गिरफ्तार कर लिया। वहीं, एक अन्य गुप्त सूचना के आधार पर मणिचक गांव के आंगनबाड़ी केंद्र के पास से जितेंद्र कुमार को भी धर दबोचा गया।

प्राथमिक पूछताछ में आरोपी जितेंद्र ने स्वीकार किया कि उसे यह हथियार उसके पिता रामस्वरूप यादव ने खरीदकर दिया था और गांव में विवाद के दौरान लोगों को डराने के लिए इसका इस्तेमाल किया जाता था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार तीनों आरोपियों के खिलाफ नगरनौसा थाने में पहले से कई गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं।

पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर आगे की कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है। इस छापामारी दल में नगरनौसा थानाध्यक्ष शशिरंजन कुमार मिश्रा सहित कई पुलिस अधिकारी और सशस्त्र बल के जवान शामिल रहे।

एनसीसी कैडेट देश के भविष्य हैं, अनुशासन और देशभक्ति को अपनाएं : मंत्री

नालंदा की माटी में बहुत ताकत और तासीर है : सांसद

बिहारशरीफ। एनसीसी के कैडेट सरदार पटेल के बताए मार्ग पर चलकर और अनुशासन को अपनाकर एक सशक्त भारत का निर्माण कर सकते हैं। उन्हें जीवन में अनुशासन और देशभक्ति को अपनाना चाहिए। उनकी वर्दी गर्व और जिम्मेदारी दोनों का प्रतीक है। समाज सेवा और राष्ट्र सेवा ही इनका सबसे बड़ा धर्म होना चाहिए।



यह बात ग्रामीण विकास विभाग तथा सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मंत्री श्रवण कुमार ने बुधवार को कही। वे राजग. ीर के जवाहर नवोदय विद्यालय में 38 बिहार बटालियन एनसीसी की ओर से आयोजित आठ दिवसीय ट्रेकिंग कैंप के शुभारंभ कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस मौके पर नालंदा के सांसद कौशलेंद्र कुमार भी मौजूद थे।

मंत्री श्री कुमार ने देश के विभिन्न राज्यों से आए होनहार एनसीसी कैडेटों का ज्ञान और शौर्य की धरती राजग. ीर में स्वागत करते हुए कहा कि नालंदा विश्वविद्यालय ने कभी पूरी दुनिया को शिक्षा दी थी और आज राजगीर की इन पहाड़ियों पर हमारे कैडेट उसी गौरवशाली परंपरा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि एनसीसी कैडेट्स में जो एकता और देशभक्ति है, वह देश के उज्ज्वल भविष्य का संकेत है। वे हर सामाजिक कार्य में मुस्तैदी से लगे रहते हैं। यही अनुशासन और सेवा भाव उन्हें देश का सच्चा सिपाही बनाता है। ये कैडेट देश का नाम रोशन करेंगे। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ऐसे ट्रेकिंग कैंपों को और बढ़ावा देगी, ताकि देश के युवा देश-विदेश में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा सकें और अपना परचम लहरा सकें।

सांसद कौशलेंद्र कुमार ने कहा कि एनसीसी के कैडेट देश के भविष्य हैं। नालंदा की माटी में बहुत ताकत और तासीर है। यहां से प्रशिक्षण प्राप्त कर देश के बच्चे दुनिया में परचम लहरा रहे हैं।

उन्होंने सभी कैडेटों, प्रशिक्षकों और एनसीसी के अधिकारियों को कैंप के सफल आयोजन के लिए बधाई दी। मौके पर सूब. ेदार मेजर ललिनद्र टिग्गा, जेसीओ ओबीसी पाण्डेय, महाबोधि महाविद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अरविंद कुमार, जेएनवी के प्राचार्य, एएनओ सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।



पटना के प्रमंडलीय आयुक्त ने नालंदा समाहरणालय में अधिकारियों के साथ की बैठक

बिहारशरीफ। पटना के प्रमंडलीय आयुक्त राजेश कुमार की अध्यक्षता में स्थानीय समाहरणालय स्थित शहीद हरदेव भवन में एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। इस बैठक का मुख्य उद्देश्य नालंदा जिले में संचालित विभिन्न विकासात्मक और जनकल्याणकारी योजनाओं की मैदानी हकीकत का जायजा लेना और उनके क्रियान्वयन में तेजी लाना था। बैठक के दौरान ग्रामीण विकास, आवास, मनरेगा, जीविका, स्वच्छता, कृषि, राजस्व, शिक्षा और स्वास्थ्य सहित प्रमुख विभागों के कामकाज की गहन समीक्षा की गई। आयुक्त ने हर एक विभाग के कार्यों, अब तक की उपलब्धियों और लंबित मामलों की विस्तृत जानकारी ली और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

ग्रामीण विकास और आवास योजनाओं के तहत जरूरतमंदों को समय पर आवास उपलब्ध कराने के साथ-साथ मनरेगा के माध्यम से रोजगार सृजन और बुनियादी सुविधाओं को मजबूत करने पर जोर दिया गया। वहीं, जीविका समूहों के जरिए ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने के प्रयासों की सराहना करते हुए इसके दायरे को और विस्तृत करने की बात कही गई।

स्वच्छता और पेयजल प्रबंधन के मोर्चे पर गांवों में साफ-सफाई और कचरा प्रबंधन को और प्रभावी बनाने के निर्देश दिए गए। कृषि विभाग की समीक्षा में किसानों को आधुनिक तकनीकों, समय पर बीज और उर्वरकों की सुलभता सुनिश्चित करने पर बल दिया गया। इसके अलावा, राजस्व मामलों के ऑनलाइन निष्पादन और भूमि विवादों के त्वरित निपटारे को लेकर भी संबंधित अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए। शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों की समीक्षा करते हुए विद्यालयों में शैक्षणिक माहौल सुधारने और अस्पतालों में मरीजों को मिलने वाली चिकित्सा सेवाओं व जांच सुविधाओं को और बेहतर बनाने की बात कही गई। बैठक के अंत में आयुक्त महोदय ने सभी संबंधित विभागों के अधिकारियों को आपसी तालमेल के साथ काम करने और जनहित की योजनाओं को पूरी पारदर्शिता एवं संवेदनशीलता के साथ धरातल पर उतारने का कड़ा निर्देश दिया।

बोलेरो की टक्कर से बाइक सवार जख्मी

बिहारशरीफ। बेनार-सकसोहरा मार्ग पर मदनचक मोड़ के पास तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक में सीधी टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार गंभीर रूप से जख्मी हो गया। हादसे में अस्थावां थाना क्षेत्र के रजमा महमदपुर निवासी मथुरा पासवान का पुत्र बीरबल पासवान बुरी तरह घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से उसे बिन्द सीएचसी पहुंचाया गया, जहां से स्थिति गंभीर देखते हुए डॉक्टर ने उसे बिहारशरीफ रेफर कर दिया। घटना के बाद बोलेरो चालक वाहन छोड़कर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलने पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दुर्घटनाग्रस्त दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है और मामले की छानबीन कर रही है।

करंट लगने से विद्युत कर्मी की मौत

बिहारशरीफ। नूरसराय थाना क्षेत्र स्थित करण बिगहा पावर सब स्टेशन परिसर में बुधवार को विद्युत पोल पर चढ़कर जम्फर जोड़ रहे एक मानव बल की करंट की चपेट में आने से मौत हो गई। मृतक की पहचान स्थानीय थाना क्षेत्र के अजनौरा गांव निवासी जितेन्द्र पासवान के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मृतक जितेन्द्र पासवान शटडाउन लेने के बाद पोल पर चढ़कर काम कर रहा था, लेकिन कथित तौर पर तकनीकी गड़बड़ियों के कारण तार में करंट प्रवा. हित हो रहा था। जैसे ही उसने तार को छुआ, उसे जोरदार झटका लगा और वह गंभीर रूप से झुलसकर सीधे नीचे आ गिरा। घटना के बाद मौके पर मौजूद अन्य सहकर्मी उसे तुरंत गंभीर हालत में लेकर बिहारशरीफ पहुंचे, जहां से उसकी नाजुक स्थिति को देखते हुए उसे पटना रेफर कर दिया गया।

पूर्व मध्य रेल
ई-निविदा सूचना
निविदा सूचना संख्या – एस.सी.-भार.ग.डी.
मंडल रेल प्रबन्धक (यांत्रिक)/
पुमरे/दा.नापुर
पी.आर./1248/डीएनआर/यां./टी/26 27/44

एनओयू में नशामुक्त बिहार अभियान पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन

बिहारशरीफ। नालंदा खुला विश्वविद्यालय में नशा मुक्त बिहार अभियान के अंतर्गत एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें देश और समाज को नशा मुक्त बनाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संगीता कुमारी ने किया, जिन्होंने बताया कि यह जागरूकता अभियान 20, 21 और 25 नवंबर तक चलाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नशा न केवल शरीर को बीमार करता है, बल्कि सोच को कमजोर कर परिवारों को तोड़ने और समाज की प्रगति में बड़ी बाधा बनता है। कार्यक्रम में डॉ. अमरनाथ पांडे ने नशा मुक्त समाज के निर्माण के लिए व्यक्तिगत संकल्प, पारिवारिक जागरूकता, शैक्षिक संस्थानों की भागीदारी, प्रशासन-समाज का सहयोग और उपचार-पुनर्वास जैसे पांच स्तरों पर कार्य करने पर जोर दिया। उन्होंने सहायता के लिए राष्ट्रीय टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 14446 की जानकारी दी।

डॉ. पल्लवी ने भारत सरकार के 'नशा मुक्त भारत अभियान' और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा 2 अगस्त 2026 को शुरू किए गए नशा मुक्त युवा का विकसित भारत का संकल्प अभियानश के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। साथ ही, फैमिली काउंसलिंग और देखभाल के लिए 0808438363 नंबर की जानकारी दी गई। कुलपति प्रोफेसर रविंद्र कुमार ने अपने अध्यक्षीय भाषण में कहा कि अत्यधिक आसक्ति ही नशा है।

राज्य सरकार के निर्देश पर चलाए जा रहे इस अभियान का उद्देश्य मादक द्रव्यों के सेवन पर रोक लगाना और इसके दुष्प्रभावों के प्रति लोगों को जागरूक करना है, ताकि युवा अपनी जिम्मेदारियों का सही से निर्वाह कर सकें।

कुलसचिव प्रोफेसर अभय कुमार सिंह ने समाज से नशा करने वालों के महिमामंडन से बचने और उनके सामाजिक बहिष्कार की बात कही। वित्त पदाधिकारी संजय कुमार श्रीवास्तव, राजनीति शास्त्र के समन्वयक प्रो. जितेंद्र नारायण सिंह, प्रो. आर.के. वर्मा और पुस्तकालय सहायक आफताब अहमद ने भी अपने विचार रखे और युवाओं तथा समाज को नशे से दूर रहने का संदेश दिया।

सदर अस्पताल कैंपस में बनेगा रीजनल ट्रेनिंग सेंटर

पटना प्रमंडल के छः जिलों के स्वास्थ्य कर्मियों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

बिहारशरीफ। नालंदा के सदर अस्पताल में जल्द ही रीजनल ट्रेनिंग सेंटर की स्थापना की जाएगी, जिससे पटना प्रमंडल के छह जिलों के स्वास्थ्यकर्मियों को अपने ही क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण मिल सकेगा। इस पहल से नालंदा सहित आसपास के जिलों के स्वास्थ्यकर्मियों को अब ट्रेनिंग के लिए पटना नहीं जाना पड़ेगा, जिससे उनके समय और यात्रा खर्च की बचत होगी। बुधवार को क्षेत्रीय उपनिदेशक डॉ. विनय कुमार ने अपनी टीम के साथ सदर अस्पताल का दौरा कर उपलब्ध सुविधाओं का जायजा लिया। इस दौरान मॉडल भवन और पुराने भवन के खाली स्थानों का निरीक्षण करने के बाद पुरानी बिल्डिंग की तीसरी मंजिल को ट्रेनिंग सेंटर के लिए चयनित किया गया। निरीक्षण टीम में रीजनल प्रोग्राम मैनेजर पीयूष कुमार, रीजनल एमएनई ऑफिसर कुणाल कुमार, अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन, डीपीएम श्याम कुमार निर्मल, स्वास्थ्य प्रबंधक मोहम्मद इमरान और लेखा प्रबंधक सुरजीत कुमार शामिल रहे। सिविल सर्जन डॉ. जयप्रकाश सिंह ने बताया कि इस सेंटर में कम्युनिटी हेल्थ ऑफिसर (सीएचओ), एएनएम, जीएनएम, स्टाफ नर्स, आशा कार्यकर्ता और आशा फैसिलिटेटर को प्रशिक्षित किया जाएगा। ट्रेनिंग के दौरान मातृ-शिशु स्वास्थ्य, सुरक्षित प्रसव, नवजात देखभाल, नियमित टीकाकरण, परिवार नियोजन, बीमारियों की पहचान, आपातकालीन स्वास्थ्य सेवाएं, स्वास्थ्य योजनाओं का क्रियान्वयन और मरीजों के रिकॉर्ड संधारण जैसे विषयों पर सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक जानकारी दी जाएगी। स्थानीय स्तर पर प्रशिक्षण मिलने से कर्मी अगले ही दिन ड्यूटी पर लौट सकेंगे, जिससे अस्पतालों की स्वास्थ्य सेवाएं भी बाधित नहीं होंगी।

अस्थावां के गल्ला व्यवसायी लूटकांड में दो आरोपी धराया

बिहारशरीफ। अस्थावां थाना क्षेत्र अंतर्गत गोइठवापुल के पास एक गल्ला कारोबारी से हुई एक लाख रुपये की लूट के मामले का पुलिस ने सफलतापूर्वक खुलासा कर दिया है। इस वारदात में संलिप्त दो बदमाशों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है, साथ ही उनके पास से घटना में प्रयुक्त वाहन और अन्य सामग्रियां भी बरामद की गई हैं। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान दीपनगर थाना क्षेत्र के कल्याणपुर गांव निवासी राकेश कुमार (22 वर्ष) और अस्थावां थाना क्षेत्र के कटहरी गांव निवासी इंदल पासवान (20 वर्ष) के रूप में हुई है। पुलिस ने इनकी निशानदेही पर वारदात में इस्तेमाल की गई ग्लैमर मोटरसाइकिल, 4,000 नकद रुपये, एक मोबाइल फोन और घटना के दौरान पहना गया लाल रंग का टी-शर्ट बरामद किया है।

सदर डीएसपी-1 अमरनाथ ने मामले की जानकारी देते हुए बताया कि लूट की इस घटना के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया था। तकनीकी और मानवीय अनुसंधान के आधार पर कार्रवाई करते हुए 3 नवंबर को दोनों आरोपितों को धर दबोचा गया। पूछताछ के दौरान दोनों ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी राकेश कुमार का पुराना आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ रहुई थाने में लूट का एक मामला पहले से दर्ज है।



